[This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 3823

Unique Paper Code : 72132802 H

Name of the Paper : Sanskrit B : Upanisad and Gita

Name of the Course : AECC-CBCS-Sanskrit B

Semester : II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

भाग 'क'/Part 'A'

भाग 'क' में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer any *Four* questions from Part 'A'. 15×4=60

P.T.O.

1. ईशावास्योपनिषद् के अनुसार विद्या और अविद्या

Explain Vidyā and Avidyā according to Īśāvāsy

2. ईशावास्योपनिषद् के अनुसार 'ईश्वर' के स्वरूप कीजिए।

Elaborate the name of Īśavara according to the Īś

3. ईशावास्योपनिषद् का सार अपने शब्दों में लिखि

Write the summary of Īśāvāsyopaniṣad in you

4. गीता के द्वितीय अध्याय के अनुसार आत्मा का

Describe Ātmā on the basis of the second cha

5. गीता के द्वितीय अध्याय के आधार पर समत्व को समझाइए।

Explain the concept of Equanimity on the basi chapter of Gītā.

6. गीता के द्वितीय अध्याय का क्या महत्व है?

What is the significance of the second chapt

7. अर्जुन की स्थिति को अपने शब्दों में समझा

Describe the situation of Arjuna in your ow

भाग 'ख'/Part 'B'

8. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 5×3=15

Write short notes on any *three* of the following :

योग, सृष्टि, कर्म-सिद्धांत, इन्द्रियाँ, परमात्मा, ब्रह्म।

42

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4476 **HC**

Unique Paper Code : 12131201

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Prose)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit CBCS (Core)**

Semester : II

Duration : 3 hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer **all** questions.
3. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

भाग 'क' / Part – A

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिये :

Translate any **two** of the following :

(क) अमृतसहोदरापि कटुकविपाका । विग्रहवत्यपि अप्रत्यक्षदर्शना । खलजनप्रिया । रेणुमयीव स्वच्छमपि कलुषीकरोति । यथा यथ दीप्यते तथा तथा दीपशिखेव कज्जलमलिनमेव कर्म केवल

(ख) यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपय अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः । अपहरति शुष्कपत्रं समुद्भूतरजोभ्रान्तिरतिदूरमात्मेच्छया यौवनसमये पुरुष

(ग) इन्द्रियहरिणहारिणी च सततमतिदुरन्तेयमुपभोगमृगतृष्णिका । नवयौ तात्मनश्च सलिलानीव तान्येव विषयस्वरूपाण्यास्वाद्यमानानि मधुत मनसः। नाशयति च दिङ्मोह इवोन्मार्गप्रर्वतकः पुरुषमत्यासङ्ग

(घ) तात चन्द्रापीड! विदितवेदितव्यस्याधीतसर्वशास्त्रस्य ते नाल्पमप्युपदे केवलञ्च निसर्गत एवाभानुभेद्यमरत्नालोकोच्छेद्यमप्रदीपप्रभापनेयमति यौवनप्रभवम् । अपरिणामोपशमो दारूणो लक्ष्मीमदः । कष्टमनञ्जनम अपरम् ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम् ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिये : (2

Explain with reference to the context any **two** of foll

(क) हिडिम्बेव भीमसाहसैकहार्यहृदया। प्रावृडिवाचिरद्युतिकारिणी।

(ख) कमलिनीसंचरणव्यतिकरलग्ननलिननालकण्टकक्षतेव न क्वचिदपि निर्भरमाबध्नाति पदम्।

(ग) कुसुमशरशरप्रहारजर्जरिते हि हृदये जलमिव गलत्युपदिष्टम्।

(घ) कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यम् अपरम् ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम्।

3. शुकनासोपदेश का सार अपने शब्दों में लिखिए। (10)

Write a brief note on Sukanasopadesa.

अथवा / OR

'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्' इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

Explain with examples 'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्'.

भाग 'ख' / Part – B

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिये : (2×5=10)

Translate any two of the following :

(क) अधिगतशास्त्रेण चादावेव पुत्रदारमपि न विश्वास्यम्। आत्मकुक्षेरपि कृते तण्डुलैरियद्भिरियानोदनः संपद्यते। इयत ओदनस्य पाकायैतावदिन्धनं पर्याप्तमिति मानोन्मानपूर्वकं देयम्। उत्थितेन च राज्ञा क्षालिताक्षालिते मुखे मुष्टिमर्धमुष्टिं वाऽभ्यन्तरीकृत्य कृत्स्नमायव्ययजात

(ख) मयाऽपि परिभ्रमता विन्ध्याटव्यां कोऽपि कुमारः क्षुधा तृषा च क्लिश्यन्न क्वचित्कूपाभ्याशे अष्टवर्षदेशीयो दृष्टः । स च त्रासगद्गदमगदत्- "क्लिष्टस्य मे क्रियतामार्य! साहाय्यकम् । अस्य मे प्राणापहारिणी प्रतिकर्तुमुदकमुदन्चन्निह कूपे कोऽपि निष्कलो ममैकशरणभूतः प

(ग) स पुनरिमान्प्रत्याह- 'कोऽसौ मार्गः' इति । पुनरिमे ब्रूवते- "नन् राजविद्यास्त्रयी वार्तान्वीक्षिकी दण्डनीतिरिति । तासु तिसृस्त्रयीवार्तान्व महत्यो मन्दफलाश्च तास्तावदासताम् । अधीष्व तावद्दण्ड इयमिदानीमाचार्यविष्णुगुप्तेन मौर्यार्थे षड्भिः श्लोकसहस्रैः संक्षिप्ता । सैवे सम्यगनुष्ठीयमाना यथोक्तकर्मक्षमा" इति ।

(घ) देव, दैवानुग्रहेण यदि कश्चिद् भाजनं भवति विभूतेः, तमकस्मादुच्च पप्रलोभनैः कदर्थयन्तः स्वार्थं साधयन्ति धूर्ताः । तथाहि । केचित्प्रे लभ्यैरभ्युदयातिशयैराशामुत्पाद्य, मुण्डयित्वा शिरः, बद्ध्वा दर्भ अजिनेनाच्छाद्य, नवनीतेनोपलिप्य, अनशनं च शाययित्वा, स्वीकरिष्यन्ति ।

5. दण्डी की गद्य-शैली की विवेचना कीजिए ।

Describe the prose style of Dandin.

अथवा / OR

विश्रुतचरितम् के अनुसार राजाओं की दिनचर्या अपने शब्दों में वर्णित कीजिये।

Explain the day by day activities of kings according to Visruitcharitam.

6. प्रश्न संख्या 1, 2, 4 के किन्ही पाँच रेखांकित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी कीजिये। (5)

Write Grammatical notes in any **five** underlined words in given 1, 2 and 4.

भाग 'ग' / Part – C

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये : (10)

Write short notes on any **three** of the following :

बाणभट्ट, दण्डी, सुबन्धु, आख्यायिका, कथा

अथवा / OR

संस्कृत गद्य साहित्य की उत्पत्ति और विकास का विवेचन कीजिए।

Describe the origin and development of Sanskrit prose literature.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिये :

Write short notes on any **two** of the following :

शुकसप्तति, पंचतन्त्र, हितोपदेश, वेतालपञ्चविंशतिका

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4657 **HC**

Unique Paper Code : 12131202

Name of the Paper : Self Management in the Gita

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit – CBCS**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

P.T.O.

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (3×7=35

Explain the following:

(क) भूमिरापोऽनलो वायुः खं मनो बुद्धिरेव च ।

अहंकार इतीयं मे भिन्ना प्रकृतिरष्टधा ।।

अथवा / OR

इच्छा द्वेषः दुखं सघातश्चेतना धृतिः ।

एतत्क्षेत्रं समासेंन सविविकारमुदाहृतम् ।।

(ख) इन्द्रियाणां हि चरतां यन्मनोऽनुविधीयते ।

तदस्य हरति प्रज्ञां वायुर्नावमिवाम्भसि ।।

अथवा / OR

क्लैब्यं मा स्म गमः पार्थ नैतत्त्वय्युपपद्यते ।

क्षुद्रं हृदयदौर्बल्यं त्यक्तवोत्तिष्ठ परन्तप ।।

(ग) नात्यश्नतस्तु योगोऽस्ति न चौकान्तमनश्नतः ।

न चाति स्वप्नशीलस्य जाग्रतो नैव चार्जुन ।।

अथवा / OR

अधिष्ठानं तथा कर्ता करणं च पृथग्विधम् ।

विविधाश्च पृथक्चेष्टा दैवं चौवात्र पञ्चमम् ।।

(घ) श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं तत्परः संयतेन्द्रियः ।

ज्ञानं लब्ध्वा परां शान्तिमचिरेणाधिगच्छति ।।

अथवा / OR

प्रजहाति यदा कामान्सर्वान्पार्थ मनोगतान् ।

आत्मन्येवात्मना तुष्टः स्थितप्रज्ञस्तदोच्यते ।।

(ङ) कार्पण्यदोषोपहतस्वभावः पृच्छामि त्वां धर्मसम्मूढचेताः ।

यच्छ्रेयः स्यान्निश्चितं ब्रूहि तन्मे शिष्यस्तेऽहं शाधि मां त्वां प्रपन्नम् ।।

अथवा / OR

संतुष्टः सततं योगी यतात्मा दृढनिश्चयः ।

मय्यर्पितमनोबुद्धिर्यो मद्भक्तः स मे प्रियः ।।

गीता के अनुसार आत्मप्रबन्धन के उपायों का विवेचन कीजिए । (11)

Discuss the means of Self-Management according to the *Gita*.

अथवा / OR

गीता के अनुसार आत्मप्रबन्धन की प्रक्रिया में इन्द्रिय और बुद्धि की भूमिका स्पष्ट कीजिए ।

Discuss the role of senses and intellect in the process of Self-Management according to the *Gita*.

3. मानसिक द्वन्द्वों का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके कारणों का निरू कीजिए ।

Explaining the nature of mental conflicts describe the cau of it.

अथवा / OR

त्रिविध गुणों के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए त्रिविध प्रकार के आहारों के श पर पड़ने वाले प्रभावों का वर्णन कीजिए ।

Explaining the nature of three types of *Gu8as* describe impact of three types of diet on the body.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए - (3×6=

Write short notes on any **three** of the following :

(i) शारीर तप (Austerity of the body)

(ii) आदर्श आचरण (Modal Conduct)

(iii) बुद्धि का स्वरूप (Nature of intellect)

(iv) योगाभ्यास (Practice of Yoga)

(v) परमात्मा भक्ति (Devotion to God)

This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

(Sr. No. of Question Paper : 4110 **HC**

Unique Paper Code : 12135906

Name of the Paper : Fundamentals of Indian Philosophy

Name of the Course : **B.A. (Hons.) / B.Sc. (H) / B.Com. (H) Sanskrit – CBCS – GE**

Semester : IV

Duration : 3 hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

Answer **all** questions.

Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

भाग 'क' (Section 'A')

1. भारतीय दर्शन के प्रमुख सिद्धांतों का वर्णन कीजिए। (15

Describe the main characteristics of Indian Philosophy.

अथवा / OR

आस्तिक और नास्तिक दर्शन में भेद बतलाते हुए आस्तिक दर्शन के किसी तीन आचार्यों का परिचय दीजिए।

Mentioning the dffierences between Orthodox and Heterodox Philosophy, Give the introduction of any three scholars of Orthodox Philosophy.

भाग 'ख' (Section 'B')

किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (15×3=

Answer any **three** of the following :

2. जैन दर्शन के अनेकान्तवाद एवं त्रिरत्न विषयक मत को स्पष्ट कीजिए।

Explain the concept of *Anekantavada* and *Triratna* in Jainism.

3. चार्वाक दर्शन के प्रमुख सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

Describe the main principles of Charvak Philosophy.

सांख्य दर्शन का सामान्य परिचय दीजिए एवं इसके गुणत्रय को स्पष्ट कीजिए।

Give the general Introduction of Samkhya Philosophy and explain the Guntraya of it.

'स्वत: प्रामाण्यवाद' को स्पष्ट कीजिए।

Explain: *Svatahpramanyavada.*

अद्वैत-वेदान्त के अनुसार ब्रह्म एवं माया के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

Describe the *Brahman* and *Maya* according to Advaita Vedanta.

वेदान्त के भक्ति सम्प्रदायों के अनुसार ईश्वर का वर्णन कीजिए।

Describe the *Isvara* according to Bhakti schools of Vedanta.

भाग 'ग' (Section 'C')

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :- (7.5×2=15)

Write shorts notes on any **two** of the following :

(क) शब्द प्रमाण

(ख) सत्कार्यवाद

(ग) असत्कार्यवाद

(घ) कर्मसिद्धांत

(ङ) मोक्ष

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4223 **HC**

Unique Paper Code : 12133905

Name of the Paper : Sanskrit Meter and Music (Skill Enhancement Course–V)

Name of the Course : **B.A. (Hon.) Sanskrit – CBCS – SEC**

Semester : IV

Duration : 3 hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 75
पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All** questions are compulsory.
3. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

1. संस्कृत छन्दशास्त्र का उद्भव कब और कहाँ से हुआ। विस्तार से लिखिये

Write in detail the time and origin of Sanskrit Meters.

अथवा / OR

छन्दशास्त्र के किन्हीं **दो** आचार्यों पर विस्तार से निबन्ध लिखिये।

Write an essay on any two ācāryas of Sanskrit Meters.

(9

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिये :

Write short notes on any **two** of the following :

(i) छन्द

Meter

(ii) मात्रावृत्त

Quantitative Verse

(iii) पाद

Quarter

(iv) यति

Yati

(4+4=8

3. निम्नलिखित वैदिक छन्दों में से किन्हीं **दो** को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये ।

Explain any **two** vedic meters with examples out of the following :

(i) गायत्री

Gāyatrî

(ii) त्रिष्टुप्

Triṣṭup

(iii) जगती

Jagatî (6+6=12)

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिये :

Write short notes on any **two** of the following :

(i) स्वरित

Svarita

(ii) संहिता पाठ

Samhitā pāṭha

(iii) ऊहगान

Ūhagāna

(iv) स्तोत्र

Stotra (5+5=10)

5. निम्नलिखित लौकिक छन्दों में से किन्हीं **दो** को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजि

Explain classical meters with examples of any **two** of following :

(i) भुजङ्गप्रयात

Bhujaṅgaprayāta

(ii) आर्या

Āryā

(iii) वसन्ततिलका

Vasantatilakā (6+6=1

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिये :

Write short notes on any **two** of the following :

(i) सप्तक

Saptaka

(ii) लय

Rhythm

(iii) मूर्च्छना

Mûrcchanā

(iv) आरोही और अवरोही स्वर

Ārohî and Avarohî svara

अथवा / OR

स्पष्ट कीजिये - 'गीतं वाद्यं तथा नृत्तं त्रयं सङ्गीतमुच्यते'।

Expalin: gîtam vādyam tathā nṛttam trayam sangîtamucyate.

(6+6=12)

निम्नलिखित पद्यों में से किन्हीं **तीन** पर गण लगाते हुये छन्द का निर्देश कीजिये :

By marking the ganas on any three of the following verses indicate the name of the meter :

(i) ग्रीवाभङ्गाभिरामं मुहुरनुपतति स्यन्दने दत्तदृष्टिः
पश्चार्धेन प्रविष्टः शरपतनभयाद् भूयसा पूर्वकायम्।
दर्भैरर्धावलीढैः श्रमविवृतमुखभ्रंशिभिः कीर्णवर्त्मा
पश्योदग्रप्लुतत्वाद् वियति बहुतरं स्तोकमुर्व्या प्रयाति॥

(ii) नो मुष्णाम्यबलां विभूषणवतीं फुल्लामिवाहं लतां
विप्रस्वं न हरामि काञ्चनमथो यज्ञार्थमभ्युद्धृतम्।
धात्र्युत्सङ्गगतं हरामि न तथा बालं धनार्थी क्वचित्
कार्याकार्यविचारिणी मम मतिश्चौर्येऽपि नित्यं स्थिता॥

(iii) कर्मण्येवाधिकारास्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूः मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥

(iv) शिरः शार्वं स्वर्गात् पशुपतिशिरस्तः क्षितिधारं
महीध्रादुत्तुङ्गादवनिमवनेश्चापि जलधिम् ।
अथो गङ्गा सेयं पदमुपगता स्तोकमथवा
विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः ।।

(v) तस्मिन्नद्रौ कतिचिदबलाविप्रयुक्तः स कामी
नीत्वा मासान्कनकवलयभ्रंशरिक्तप्रकोष्ठः ।
आषाढस्य प्रथमदिवसे मेघामाश्लिष्टसानुं
वप्रक्रीडापरिणतगजप्रेक्षणीयं ददर्श ।। (4+4+4

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4424 **HC**

Unique Paper Code : 12131401

Name of the Paper : Indian Epigraphy, Paleography and Chronology
भारतीय अभिलेखशास्त्र, पुरालिपिशास्त्र एवं काल-गणना

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit CBCS – Core**

Semester : IV

Duration : 3 hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. This question paper contains **10** questions.
3. **All** questions should be answered.
4. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. इस प्रश्न-पत्र में कुल 10 प्रश्न हैं ।

3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

4. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

भाग 'क' / Part 'A'

1. अभिलेख का अध्ययन किस प्रकार महत्त्वपूर्ण है ? (9

How is the study of inscription important?

अथवा / OR

अभिलेखों के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए ।

Describe different kinds of Inscriptions.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (5+5=10

Write notes on any **two** of the following :

लेखक, कर्णिन्, भूर्ज-पत्र, ताम्र-पत्र ।

भाग 'ख' / Part 'B'

3. ब्राह्मी-लिपि का भारतीय उत्पत्ति से सम्बन्धित सिद्धान्त का क्या स्वरुप है

What are the features of the theory of Indian origin of the Brahmi Script?

अथवा / OR

भारत में लेखन-कला की प्राचीनता पर प्रकाश डालिए।

Through light on the antiquity of writing in India.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (5+5=10)

Write notes on any **two** of the following :

डी. सी. सरकार, ब्यूलर, गौरीशंकर हीराचन्द ओझा, प्रिंसेप, फ्लीट।

भाग 'ग' / Part 'C'

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए : (5+5=10)

Translate any **two** of the following :

(i) इयं धंमलिपी देवानंप्रियेन प्रियदसिना राज्ञा लेखापिता इध न किंचि जीवं आरभित्पा प्रजूहितव्यं न च समाजो कतव्यो बहुकं हि दोसं समाजम्हि पसति देवानंप्रियो प्रियदसि राजा अस्ति पि तु एकचा समाजा बहुमता देवानंप्रियस प्रियदसिनो राज्ञो।

(ii) ...क्षिप्ताश्म - वृक्ष - गुल्म - लता - प्रतानं आ नदीतलादित्युद्घाटितमासीत् चत्वारि हस्तशतानि विशदुत्तराण्यायतेन एतावन्त्येव विस्तीर्णेन पञ्च-सप्तति - हस्तानवगाढेन भेदेन निस्सृत - सर्व्वतोयं मरु - धन्वकल्पमतिभृश दुदर्शनमासीत् ।

(iii) तातेन भक्ति - नय - विक्क्रम - तोषितेन
यो राज - शब्द - विभवैरभिषेचनाद्यैः।
सम्मानितः परम - तुष्टि - पुरस्कृतेन
सोऽयं ध्रुवो नृपैरप्रतिवार्य - वीर्यः ।।

(iv) आ विंध्यादाहिमाद्रेर्विरचित - विजय - तीर्थ - यात्रा प्रसंगा -
दुद्ग्रीवेषु प्रहर्त्ता नृपतिषु विनमत्कन्धरेषु प्रसन्नः ।
आर्यावर्तं यथार्थं पुनरपि कृतवान्म्लेच्छ - विच्छेदनाभि -
र्देवः शाकंभरीन्द्रो जगति विजयते वीसल - क्षोणिपालः ।।

6. चन्द्र का महरौली लौह - स्तम्भ अभिलेख किस प्रकार महत्वपूर्ण है ? (5)

How the Mehrauli Iron Pillar inscription of Chandra is important?

अथवा / OR

समुद्रगुप्त के व्यक्तित्व पर एरण अभिलेख किस प्रकार प्रकाश डालता है ?

How does the Eran inscription present personality of Samudragupta?

वीसलदेव के दिल्ली-टोपरा स्तम्भ लेख **अथवा** अशोक के सारनाथ लघु शिलालेख की विषय-वस्तु का विवरण प्रस्तुत कीजिए। (5)

Present the subject matter of the Delhi&Topra Pillar Inscription of Visaladeva **OR** The Sarnath minor rock inscription of Ashoka.

निम्नलिखित में से किसी **एक** पर लघु टिप्पणी लिखिए : (4)

Write short notes on any **one** of the following :

धर्मलिपि, सुपाथाय, एकार्णवभूतायाम्, मार्गे लोकविरूद्ध एव विजनः।

भाग 'घ' / Part 'D'

काल-निर्धारण के लिए कौन-कौन सी पद्धतियों और सिद्धान्तों का प्रयोग किया जाता है ? (9)

Which system and theories are adopted to decide Chronology?

अथवा / OR

अभिलेखों में तिथि के अंकन के लिए किस प्रकार की पद्धति का प्रयोग प्राप्त होता है ?

What type of dating system is found used in the Inscriptions?

10. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (4

Write a short note on any **one** of the following :

शक संवत्, विक्रम संवत् ।

Saka era, Vikrama era.

[This question paper contains 2 printed pages]

Your Roll No...............

Sr. No. : 4585

HC

Unique Paper Code : **12137901**

Name of the Paper : Indian System of Logic and Debate (**DSE**)

Name of the Course : B. A. (Hons.) Sanskrit

Semester : **VI**

Time – 3 Hours

Max. Marks – 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit or** in **Hindi or** in **English.**
टिप्पणी:अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए.

खण्ड 'अ'

Section A

1. निम्न में से किन्हीं एक पर निबन्ध लिखिए। 9

Write an essay on any **one** of the following:

a. वादकला में आन्वीक्षिकी
Ānvīkṣikī into art of Debate

b. परिषद्
The council of Debate

c. सम्भाषविधि
The Method of Debate

2. निम्न में से किसी दो पर लघु टिप्पणी कीजिए। 3x2=6

Write short notes on any **two** of the following :

प्रतिवादी (Prativādī),विगृह्य सम्भाष (Hostile Debate) , वादोपाय (Vādopāya)

खण्ड 'ब'

Section B

3. निम्न में से किन्हीं दो को उद्घाटित कीजिए। 10x2=20

Expose any **two** of the following :

a. पञ्चावयव (Five components of argument)

b. अनुमान के प्रकार (Types of Inference)

c. व्याप्ति के प्रकार (Types of invariable concomitance)

d. तर्क की आवश्यकता (Tarka and its requirement)

4. निम्न में से किसी एक पर संस्कृत में टिप्पणी कीजिए। 5

Write short notes on any **one** of the following into Sanskrit :

उपनय (Application), हेतु (Hetu),

खण्ड 'ग'

Section C

5. निम्न में से किन्हीं **पाँच** पदों को उद्घाटित कीजिए। 7x5=35

Expose any five of the following technical terms:

a. जाति के प्रकार (Types of Jati)
b. छल (Quibble)
c. प्रतिज्ञासन्न्यास (Renouncing the proposition)
d. मतानुज्ञा (Admission of an Opinion)
e. कथा (Dialogue)
f. वितण्डा (Cavil)

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4637 **HC**

Unique Paper Code : 12131402

Name of the Paper : Modern Sanskrit Literature

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit CBCS**

Semester : IV

Duration : 3 hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

- Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
- Answer **all** questions.
- Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

त्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

1. निम्नलिखित पद्यों का अनुवाद कीजिए :- (5

Translate the Following verses :-

(क) मनुष्यताख्या गिरिराजकन्या तपश्चिरिष्णुः पुनरुत्प्रयाति ।
अपर्णतामेह्यकुतो मुखीनां त्वरस्व तां प्रीणयितुं शिवस्त्वम् ।।

अथवा / OR

वैदेशिकानां क्षपणाय भूमीभृतां सितानां पिशिताशनानाम् ।
या निर्मिता विश्वसृजा प्रयत्नात् सौदामनीव द्युतलात् पतन्ती ।।

(ख) अज्ञान-भस्मावरणानि धूत्वा मनः स्थितां चेतयत स्फुल्लिङ्गान् ।
उद्दीपित-स्वत्व-कृशानुनाऽऽशु भस्मीकुरुध्वं दृढ-रूढ-रूढीः ।।

अथवा / OR

मद्यं हि सर्वस्व-हरं नराणां कुटुम्ब-नाशोऽपि च निश्चितोऽस्ति ।
निपीय मद्यं गृहमागतेभ्यः कदापि नान्नं परिवेषणीयम् ।।

2. निम्नलिखित पद्यों की व्याख्या कीजिए :

Explain the following verses :

(क) पादद्वयीचारिशरीरधारिन् प्राणिन् नमस्त्वं ननु पूरूषोऽसि ।
विमर्शरूपे मणिदर्पणेऽस्मिन् प्रकाशितस्त्वं हि सदाशिवोऽसि ।।

अथवा / OR

सा कल्पवल्ली वसुधातलस्य सा कामधेनुर्मनुजान्वयस्य ।
चिन्तामणिर्भारतभाग्यलक्ष्म्या लक्ष्मीर्यथार्थार्थयते स्म संज्ञाम् ।

(ख) वयं सुपुत्रः प्रिय-मातृभूमेः स्व-बान्धावैरेव बहिष्णताः स्मः ।
उद्धर्तुमस्मांश्चिर-दास्य-पङ्कान्नास्मदृते कोऽपि परः समर्थः ।।

अथवा / OR

सर्वाण्यपत्यानि सुशिक्षितानि भवेयुरेवेत्यवधारणीयम् ।
शिक्षैव चात्मोन्नति-हेतुरस्ति शिक्षां विना ते पशुभिः समानाः ।।

3. 'स्वातन्त्र्यसम्भवम्' महाकाव्य के समसामयिक युगबोध की समीक्षा कीजिए । (8)

Critically examine the understanding of contemporary consciousness as depicted in 'Swatantryasambhavam'.

अथवा / OR

'भीमायनम्' के सामाजिक सन्देश का मूल्यांकन कीजिए ।

Evaluate the social message of 'Bhimayanam'.

4. शतपर्विका कथा में वर्णित सामाजिक सन्देश की समीक्षा कीजिए । (5)

Give an analysis of the social Message as described in Shataparvika story.

अथवा / OR

अधोलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

Explain the following passages with reference to their contexts :

अधिशय्यं रुदती शयाना रमा मनसा चिन्तयति पाषाणेऽपि राजतेऽग्निः। अस्मत्पितुर्मानसेऽपि वात्सल्येनावश्यमेव भवितव्यम्। तदहं प्रकटीकरिष्यामि। यदि प्रयत्नेऽस्मिन् प्राणा अपि मे विनश्यन्ति तर्हि न कापि चिन्ता। इदानीं पार्वत्या इव मनसि मे निर्बन्धो जातः। अहमेव भविष्यामि उताहो पितृद्वेषः सुतां प्रति। दैनन्दिनावमानात् तु वरं मरणमेव।

5. शार्दूलशकटम् में निरूपित श्रमिकों की दशा का वर्णन कीजिए। (8)

Describe the condition of workers as depicted in 'Shardulshakatama'.

अथवा / OR

अधोलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

Explain the following passages, writs reference to their contexts :

किमापतितम् अधुना? धनं जयति सर्वत्र न विद्या न चारित्रगुणः। अस्माभिर्लब्धा महात्मसदृशाः पथिप्रज्ञा नेतृवरसुभाषतुल्या वीरनायकाः। तथापि तिष्ठन्ति भारतवासिनः अन्यायाचलायतने सेवमाना यथा पूर्वं तथा परम्। क उपायो विद्यते वाञ्छनीयप्राप्तेः? आयाति तमिस्राच्छन्ना रजनी नाम्बरे राजन्ते तारकाश्चन्द्रो वा। दीपशिखा च निर्वापिता प्रभञ्जनेन। तथापि परिवहणकर्मिणो न यान्तु पादमेकं सन्मार्गं परित्यज्य कदापि।

अधोलिखित पद्यों में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए : (5×2=10)

Translate any **two** of the following verses :

(क) सज्जनमैत्री सन्ततं स्नेहभरं पुष्णाति ।
क्रमशो वृद्धिमुपागता दोषानपि मुष्णाति ।।
दोषानपि मुष्णाति निर्गुणे गुणमाधत्ते ।
निर्वेदं निर्वास्य मनसि सममोदं दत्ते ।।
सत्कार्येषूत्साहवर्धिनी जडताजैत्री ।
स्नेहसारविश्रम्भसन्तता सज्जनमैत्री ।।

अथवा / OR

स्वयं न्यायपीठे प्रभुत्वं गृहीत्वा
परस्वे स्वतां निर्णयन्तः क एते ।
परेषां कृते वारुणीं वर्जयन्तः
सुराभाजनं शोषयन्तः क एते ।।

(ख) वद वेदगिरां गुरुता क्व गता
क्व तथागतवाक्करुणापहता
इतिहासगता तव नैतिकता
परिहासकथेव वृथा भविता ।।

अथवा / OR

गतिविकला विज्ञान-विजडिता
सन्त्रस्ता रोदिति मानवता,
निर्मिति-बीजं भूमौ वपत्,
सौख्यं स्वयं फलिष्यति रे ।।
तिमिरं स्वयं गमिष्यति रे ।।

7. 'ब्रूहि कोऽस्मिन् युगे कालिदासायते' **अथवा** 'धीवरगीतिः' काव्य की स
कीजिए ।

Give a review of either 'Brūhi koṣmin yuge kalidāsāy
or 'Dhīvargitiḥ'.

8. आधुनिक संस्कृतसाहित्य के प्रमुख रचनाकारों का सर्वेक्षण प्रस्तुत कीजि

Present a survey of important writers of Modern San
Literature.

9. **निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए :** (4×4=

Write short notes on any **four** of the followings :

(क) **हरिदास सिद्धान्त वागीश** Haridash Siddhant Vagisha

(ख) **मूलशंकर माणिकलाल याज्ञिक** Mulshankar Maniklal Yag

(ग) **महालिंग शास्त्री** Mahaling Shastri

(घ) **लीलाराव दयाल** Lilarao Dayal

(ङ) **यतीन्द्र विमल चौधुरी** Yatindra Vimal Chaudhuri

(च) **वीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य** Virendra kumar Bhattacharya

is question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

No. of Question Paper : 4681 **HC**

ique Paper Code : 12131403

me of the Paper : Sanskrit and World Literature

me of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit CBCS**

mester : IV

ration : 3 hours Maximum Marks : 75

structions for Candidates

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

Answers any **five** questions.

Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

त्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. (क) अवेस्ता व वैदिक धर्म की समानताओं का विवेचन कीजिए। (7

Discuss the similarities between Vedic and Aves religions.

(ख) निम्नलिखित **तीन** संस्कृत शब्दों के समतुल्य भारोपीय शब्द लिखि (7

Give equivalents of any **three** of the following wo in Indo-European languages :

दमस्, अहम्, उषस्, माता, √श्रु, जानु

2. पंचतन्त्र के पश्चिम एशियाई अनुवादों का परिचय देकर पंचतन्त्र की मध्यए से यूरोप तक की यात्रा का निरूपण कीजिए।

Discuss the west Asian versions of the Pañcatantra describe its journey into Europe.

3. यूरोप में गीता के प्रचार व प्रसार पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on the spread of the Gītā in Europe.

4. रामायण ने दक्षिण पूर्वी एशिया के देशों के साहित्य व संस्कृति को किस प्र प्रभावित किया है ?

ow has the Rāmāyaṇa influenced literature & culture in outh East Asian Countries?

रतीय चित्रकला के प्रेरक स्रोत के रूप में संस्कृत वाङ्मय का निरूपण जिए। (15)

iscuss the role of Sanskrit literature as the source of dian Painting.

स्कृत साहित्य व संस्कृति के प्रति श्रद्धा व तिरस्कार दोनों दृष्टियाँ यूरोप में ही है। विवेचन कीजिए। (15)

urope has shown both contempt & appreciation for Sanskrit literature & culture. Discuss.

निम्नलिखित में से **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : (7½×2=15)

Write notes on any **two** of the following :

(क) दारा शिकोह की उपनिषदों के प्रति दृष्टि

Dārāśikoh on the Upaniṣad

(ख) जापान में संस्कृत अध्ययन

Sanskrit studies in Japan.

(ग) फ्रांस में संस्कृत अध्ययन

Sanskrit studies in the France.

his question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

No. of Question Paper : 4257 **HC**

que Paper Code : 12131601

ne of the Paper : Indian Ontology and Epistemology

ne of the Course : **B.A. (H) Sanskrit CBCS**

ester : VI

ation : 3 Hours Maximum Marks : 75

ructions for Candidates

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

Answer **all** questions.

Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

SEC – A

1. दर्शन शब्द का अर्थ बताइए एवं उसके प्रयोजन को स्पष्ट कीजिए।

Describe the meaning of 'Dar7ana' and explain its p

अथवा / OR

द्वैतवाद एवं बहुत्ववाद क्या हैं स्पष्ट कीजिए।

What are dualism and pluralism? Explain.

2. कार्यकारण वाद विषयक सांख्य मत का उल्लेख कीजिए।

Describe the doctrine of causation of S1mkhya.

अथवा / OR

असत्कार्यवाद को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

Explain in brief the doctrine of non pre-existence of in cause.

3. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the following : (4½

(क) स्वभाववाद Naturalism

(ख) विवर्तवाद Doctrine of illusory transformatio

(ग) यथार्थवाद Realism

SEC – B

द्रव्य की परिभाषा देते हुए द्रव्य के प्रकारों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। (7)

Give definition of Dravya and describe its types in brief.

अथवा / OR

पंचविध कर्म को स्पष्ट कीजिए।

Explain the five types of Karma.

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : (6+6)

Explain any **two** of the following :

(i) तत्र द्रव्याणि पृथिव्यप्तेजोवायुराकाशकालदिगात्ममनांसि नवैव।

(ii) परमपरञ्चेति द्विविध सामान्यम्।

(iii) सुखाद्युपलब्धि साधनमिन्द्रयं मनः।

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (4+4)

Write short notes on any **two** of the following :

(i) अभाव Abhava

(ii) सामान्य Samanya

(iii) आत्मा Atma

(iv) कारण Kara8a

SEC – C

7. तर्कसंग्रह के अनुसार बुद्धि (ज्ञान) का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

Discuss in brief Buddhi (Janana) according Tarkasangraha.

अथवा / OR

तर्कसंग्रह के आधार पर प्रमा की परिभाषा देते हुए प्रमा के प्रकार क

On the basis of Taraksangraha give a definition of P and elucidate its types.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : (6

Explain any **two** of the following :

(i) यथार्थानुभवश्चतुर्विधः ।

(ii) कारणं त्रिविधं समवायसमवायिनिमित्तभेदात्

(iii) इन्द्रियार्थसन्निकर्षजन्यं ज्ञानं प्रत्यक्षम् ।

(iv) उपमितिकरणमुपमानम्

9. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (4

Write short notes on any **two** of the following :

(क) प्रमा

(ख) व्याप्ति

(ग) असिद्ध हेत्वाभास

(घ) पंचावयव वाक्य (परार्थनुमानम्)

This question paper contains 2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **4374**

Unique Paper Code : **12137908** **HC**

Name of the Paper : **Fundamentals of Āyurveda**

Name of the Course : **B.A.(H) Sanskrit CBCS-DSE**

Semester : **VI**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर प्रश्नों के उत्तर संस्कृत **या** अंग्रेजी **या** हिंदी किसी एक भाषा में लिखिए। लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt *All* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।

1. Write a comprehensive note on the Ātreya tradition of Āyurveda. 15

आयुर्वेद की आत्रेय-परम्परा का विस्तृत वर्णन कीजिए।

P.T.O.

2. Write a comprehensive note on Varṣārtu according to Āyurveda. 15

आयुर्वेद के अनुसार वर्षा-ऋतु का विस्तृत वर्णन कीजिए।

3. Write short notes on any *two* of the following topics : 2×7.5=15

(*i*) Carakasaṁhitā

(*ii*) Suśrutasaṁhitā

(*iii*) Aṣṭāṅgasaṁgraha

(*iv*) Aṣṭāṅgahṛdaya

निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(*i*) चरक-संहिता

(*ii*) सुश्रुत-संहिता

(*iii*) अष्टांगसंग्रह

(*iii*) अष्टांगहृदय

4. Write a comprehensive note on Śiśirartu according to Āyurveda. 15

आयुर्वेद के अनुसार शिशिर-ऋतु का विस्तृत वर्णन कीजिए।

5. Define the Āyurvedic utility of the knowledge of Brahma given by Varuṇa to Bṛgu in the Bṛguvallī of Taittrīyopaniṣad.

तैत्तिरीयोपनिषद् भृगुवल्ली में वरुण द्वारा भृगु को दिये गये ब्रह्म-विषयक उपदेश की आयुर्वेदिक उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए।

s question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

HC

No. of Question Paper : 4448

que Paper Code : 12131602

me of the Paper : Sanskrit Composition and Communication

me of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit – CBCS**

mester : VI

ration : 3 Hours Maximum Marks : 75

structions for Candidates

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

त्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

भाग 'क'
(Part 'A')

1. चतुर्थी विभक्ति सम्बन्धी नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

Explain with examples the rules of चतुर्थी विभक्ति.

अथवा / Or

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए :

Explain any **two** of the following sutras :

साधकतमं करणम्, ध्रुवमपायेऽपादानम्, आधारोऽधिकरणम्, स्वतन्त्रः कर्ता

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** वाक्यों में सूत्रनिर्देशपूर्वक विभक्ति का कार बताइए :

Explain the reason of the case ending in any **four** sentences (4

(क) छात्रः गुरुं प्रश्नं पश्च्छति।

(ख) दैत्येभ्यो हरिः अलम्।

(ग) कृष्ण! अत्र आगच्छ।

(घ) वामनः बलिं वसुधां याचते।

(ङ) स्थाल्यां ओदनं पचति।

(च) मातुः स्मरति।

वाच्य से क्या अभिप्राय है ? **क्त** और **क्तवतु** प्रत्ययान्त वाक्यों में वाच्य परिवर्तन के नियम बताइए ।

What is voice? Describe rules of change of voice in the sentences of **Kta** and **ktavatu** suffixes. (8)

अथवा / Or

तव्यत् और **अनीयर्** प्रत्ययों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

Explain with examples **tavyat** and **aniyar** suffixes.

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** में वाच्य परिवर्तन कीजिए :

Change the voice in any **five** of the following : (5)

(क) अस्माभिः पुस्तकानि पठ्यन्ते ।

(ख) ते कूपं खनन्ति ।

(ग) सः गां दुग्धं दोग्धि ।

(घ) अहं पित्रा सह आपणमं गतवान् ।

(ङ) मया चन्द्रः दृश्यते ।

(च) सुधां क्षीरनिधिं मथ्नाति ।

(छ) नियतिः केन लंघ्यते ।

भाग 'ख'
(Part 'B')

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **सात** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

Translate in Sanskrit any **seven** sentences of the following :

(क) आकाश में पक्षी उड रहे हैं।

Birds are flying in the sky.

(ख) उस महल से एक लडकी गिर पड़ी।

A girl fell down from that palace.

(ग) गुरु शिष्य पर क्रोधित हो गया।

The teacher got angry with the student.

(घ) दो छात्र दो पुस्तक पढते हैं।

The two students read two books.

(ङ) गाँव और विद्यालय के बीच जल है।

There is water between the school and the village.

(च) ब्रह्मचारी यज्ञ करने के लिए यज्ञशाला में जाता है।

Brahmachari goes to the yagyashala to perform the yagya.

(छ) सीता की बहन उसके लिए मीठे फल लायेगी।

Sita's sister will bring sweet fruits for her.

(ज) हमारे देश में बहुत लोग संस्कृत के अध्ययन में रुचि रखते हैं।

Many people in our country take interest in the study of Sanskrit.

(झ) अर्जुन ने जयद्रथ का वध किया।

Arjuna murdered the Jayadratha.

(ञ) आज मैं पुस्तकें खरीदने के लिए बाजार जाऊँगा।

Today I will go to the market for buying the books.

(ट) तुम्हें प्रतिदिन खेलना चाहिए।

You should play everyday.

निम्न में से किसी **एक** का **हिन्दी** अथवा **अंग्रेजी** में अनुवाद कीजिए :

Translate any **one** of the following paragraphs into **Hindi** or into **English** : (8)

छात्रजीवने परिश्रमस्य महती आवश्यकता वर्तते। यो छात्र: आलस्यं त्यक्त्वा परिश्रमेण विद्याध्ययनं करोति, स एव साफल्यं लभते। अतएव छात्रै: प्रात:काले ब्रह्ममुहूर्ते उत्थातव्यम्। कस्मैचित् कालाय भ्रमणमपि कर्तव्यम्। तत्पश्चात् स्वाध्यायं

कृत्वा विद्यालयं गन्तव्यम् । छात्राणां शारीरिकं चारित्रिकं विकासम् अत्यन्ता
विद्यार्थिजीवनमेव सम्पूर्णगामिजीवनस्य आधारशिला ।

अथवा / Or

सर्वे जनाः संसारे सुखमिच्छन्ति । सुखं च धनेनैव प्राप्तुं शक्यते । अतो धनो
महत्यावश्यकता भवति । अद्यत्वे यत्र कुत्रचिदपि गच्छामस्तत्र सर्वत्रैव
माहात्म्यं पश्यामः । धनेन विना न विद्योपार्जनं कर्तुं शक्यते, न जीविकानि
भवति । सुखार्थं परोपकारार्थं त्यागार्थं दानार्थं भोगार्थं विवाहार्थं पुत्रादिसं
गार्हस्थ्यसंचालनार्थं भोजनार्थं भवननिर्माणार्थं च सर्वत्रैव धनस्यावश्यकता
यस्य समीपे धनं नास्ति, तस्य कश्चिदपि अभिलाषो न पूरणं भवति।

7. लम्बे समय के बाद अपने मित्र से मिलने पर दो मित्रों के मध्य होने वार्तालाप को **संस्कृत** में लिखिए ।

Describe the discussion between two friends to meet long time in **Sanskrit**.

अथवा / Or

निम्नलिखित में से किन्हीं **छः** को शुद्ध कीजिए :

Correct any **six** of the following :

(i) राजा सिंहासने अध्यास्ते ।

(ii) रामो मोहनश्च ग्रामं गच्छन्ति ।

(iii) नगरस्य परितः जलमस्ति ।

(iv) गुरुः शिष्यात् प्रश्नं पश्च्छति ।

(v) प्रजानां स्वस्ति ।

(vi) त्वं फलानि खादितम् ।

(vii) पठन् बालकं मोदकं यच्छ ।

(viii) एतत् नगरे पञ्च हस्ती सन्ति ।

उचित प्रत्ययों के प्रयोग द्वारा किन्हीं छः रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

Fill up the blanks any **six** with suitable suffixes: (6)

(i) _____ (गम्+शतृ) व्याघ्रं पश्य ।

(ii) त्वया फलानि _____ (खाद्+क्त) ।

(iii) ते बालकं _____ (धृ+क्तवतु) ।

(iv) _____ (कुम्भ+कृ+अण्) घटं पृथिव्यां स्थापयति ।

(v) शिष्यः प्रश्नं _____ (प्रच्छ्+तुमुन्) वाञ्छति ।

(vi) स _____ (पठ्+क्त्वा) गृहं गच्छति ।

(vii) सप्तभिः छात्रैः एतत् कार्य _____ (कृ+अनीयर्) ।

(viii) सः दुग्धं _____ (पा+क्त्वा) विद्यालयं गच्छति ।

भाग 'ग'
(Part 'C')

9. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए :

Write an essay on any **one** of the following topics:

(i) महाभारतम्

(ii) आधुनिकयुगे संस्कृतभाषाया: महत्त्वम्

(iii) परोपकार:

(iv) आदिकवि: वाल्मीकि:

10. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए :

Write an essay on any **one** of the following topics:

(i) नारीशक्ति:

(ii) मम प्रियक्रीडा

(iii) आतंकवाद: - समस्या समाधानं च

(iv) दूरवाण्या: (mobile) महत्त्वम्

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4733 **HC**

Unique Paper Code : 62136950

Name of the Paper : Computer Awareness for Sanskrit

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Sanskrit CBCS – SEC Ability Enhancement Elective Course (AEEC)**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1. माइक्रोसॉफ्ट पावर प्वाइंट का सामान्य परिचय एवं इ
कीजिए ।

Give the general introduction of Microsoft
describe its functions.

अथवा / OR

विन्डोज़ ऑपरेटिंग सिस्टम की संरचना एवं डिज़ाइन
कीजिए ।

Describe the Design and Architecture of Wi
System in brief.

2. मुख्य सर्च इंजन का परिचय दीजिए ।

Give the introduction of main search engin

अथवा / OR

देवनागरी यूनीकोड टंकण के लिये बराह सॉफ्टवेयर के प्र
का विस्तार में उल्लेख कीजिए ।

Describe the uses methods of Baraha
Devanagari Unicode typing.

3. भारतीय भाषाओं के सन्दर्भ में पाठ संसाधन एवं संरक्षण उपकरणों का सर्वेक्षण प्रस्तुत कीजिए। (15)

Give survey of text processing and preservation tools in reference to Indian language.

अथवा / OR

एचटीएमएल का सामान्य परिचय देते हुए इसके मुख्य तत्वों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

Giving introduction of HTML describe its main elements with example.

4. डेटाबेस के मुख्य कमांड का विस्तार से वर्णन कीजिए। (15)

Describe major Commands of Database in details.

अथवा / OR

सीएसएस पृष्ठ का प्रारूप प्रस्तुत करें।

Make a sample of CSS page.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिए : (2×7.5=15)

Write short note on any two of the following :

(i) माइक्रोसॉफ्ट वर्ड (Microsoft Word)

(ii) यूनीकोड (Unicode)

(iii) विन्डोज़ 8 (Windows 8)

(iv) गूगल सर्च इंजन (Google Search Engine)

This question paper contains 3 printed pages.

Your Roll No. ....

o. of Paper	: 4788	HC
ue Paper Code	: 62136939	
e of the Paper	: **Indian Theatre**	
e of Course	: **B.A.(Prog.) Sanskrit: CBCS: SEC**	
ester	: **IV**	
ation	: **3 hours**	
imum marks	: **75**	

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of the question paper)

(इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

*: Unless otherwise required in a question, answers ld be written in **Sanskrit** or **in Hindi** or **in English**; but ame medium should be used throughout the paper.*

*ी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न–पत्र के उत्तर त या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

***All** questions are compulsory.*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

रंगमंच के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए। 15

Throw light on the origin and development of Theatre.

P. T. O.

अथवा (*Or*)

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए:

Write short notes on any **two** of the following:

(क) खुला रंगमंच,

(ख) लोक रंगमंच,

(ग) राष्ट्रीय रंगमंच,

(घ) व्यावसायिक रंगमंच।

2. नाट्यमण्डप के स्वरूप को समझाते हुए उसके प्रकारों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 15

Explain the characteristics of Natyamandapa and give a brief introduction of its types.

अथवा (*Or*)

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए:

Write short notes on any **three** of the following:

(क) नेपथ्य

(ख) रंगशीर्ष

(ग) मत्तवारणी निर्माण

(घ) दारुकर्म

(ङ) भित्तिकर्म।

3. अभिनय के अर्थ को बतलाते हुए आंगिक अभिनय को स्पष्ट कीजिए। 15

Explain the meaning of Acting (Abhinaya) and discuss the

type of Acting pertaining to the organs of Body (Angikabhinaya).

अथवा (*Or*)

अभिनय का स्वरूप बताते हुए सात्त्विक अभिनय एवं वाचिक अभिनय को स्पष्ट कीजिए।

Describe the features of acting (Abhinaya) and explain the Ideal Acting and the Acting related to speech.

4. नाट्यरस के स्वरूप का निरूपण कीजिए। 15

Explain the features of Dramatic sentiments.

अथवा (*Or*)

नायक को परिभाषित करते हुए उसके प्रकारों पर प्रकाश डालिये।

Define the Hero and explain its types.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 15

Write short notes on any **three** of the following:

(क) प्रासंगिक कथावस्तु

(ख) स्थायीभाव

(ग) सात्त्विकभाव

(घ) रंगपीठ

(ड.) दारुकर्म।

This question paper contains 2 printed pages. Roll No. .....

Sr. No. of Question Paper : 4840

Unique Paper Code No : 62135902

Name of the Paper : Ethical and Moral Issues in Sanskrit Literature

Name of the Course : B.A. Programme (GE)

Semester : VI

Duration : 3 Hours Max. Marks : 75

(Write your Roll no. on the top immediately on receipt of this question paper.)
(प्रश्न–पत्र मिलते ही ऊपर निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : Unless otherwise required in a question answers should be written *either* in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी

1 अश्वत्थामा की मृत्यु की घोषणा युधिष्ठिर की सत्यवादिता पर प्रश्नचिह्न लगाती है– विवेचन कीजिए।

Yudhi□h□hira's announcement regarding Aśvatthāmā's death raises questions about his truthfulness. Discuss.

2 अभिज्ञानशाकुन्तलम् के पंचम अंक के आधार पर दुष्यन्त का चरित्र चित्रण कीजिए।

Discuss the character of Du□yanta, as depicted in the V act of the Abhijñānaśākuntalam.

3 कुरुक्षेत्र में श्रीकृष्ण की युद्ध नीति की समीक्षा कीजिए।

Examine Kri□na's war strategy in the battle of Kuruk□etra.

4 द्रौपदी के प्रति दुर्योधन के व्यवहार की समीक्षा कीजिएं। क्या उसे किसी भी आधार पर उचित ठहराया जा सकता है ?

Examine Duryodhana's conduct towards Draupadī. Can it be justified on any ground?

5 सार्वजनिक जीवन में व्यक्ति को अपने व्यक्तिगत सुखों की उपेक्षा करनी पड़ती है। एक राजा के रूप में राम का मूल्यांकन करते हुए टिप्पणी कीजिए।

In public life one has to sacrifice one's personal happiness. Comment while discussing Rāma as a king.

6 नीतिशतक के आधार पर एक स्वाभिमानी की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Discuss the characteristics of a 'self-respecting' person on the basis the Nītiśatakam.

7 गीता के अनुसार स्थितप्रज्ञ के लक्षणों का निरूपण कीजिए।

This question paper contains 4 printed pages.

Your Roll No. .....

No. of Ques. Paper : **4869** **HC**

ique Paper Code : **62131802**

me of Paper : **Grammar & Composition – GE**

me of Course : **B.A. (Prog) Sanskrit CBCS**

mester : **IV**

uration : **3 hours**

laximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

OTE:— *Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.*

ष्पणी:— *अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

Answer all questions

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी कीजिए:

Comment on any *three* of the following:

P. T. O.

गुण, रुत्व, यण्, पररूप, श्चुत्व, 3×5=1

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पदों का संधि-विच्छेद कीजिए:

Split Sandhis in any *five* of the following:

रामो लिखति, रामष्षष्ठः, देवा आगच्छन्ति, महेन्द्रः, वनौषधिः, गुरवे, रामष्टीकते, सूर्योदयः। 5×1=

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पदों में संधि कीजिए:

Join Sandhis in any *five* of the following:

कृष्ण+एकत्वम्, श्री+ईशः, रामः+चित्, इतः+ततः, रमा+ईश विष्णो+ए, रामः+हसति, पर+उपकारः। 5×2=1

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पदों का विग्रह-उल्लेखपूर्व समास परिचय दीजिए:

Split and name the Samasa in any *five* words:

मातापितरौ, दशमुखः, रामलक्ष्मणौ, उपकृष्णम्, चौरभयम, राजपुरुषः अनश्वः अधिहरि। 5×2=10

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर टिप्पणी कीजिए:

Comment on any *one* of the following:

अव्ययीभाव अथवा बहुव्रीहि 1×5=5

6. निम्नलिखित में से किन्ही **पाँच** पदों का प्रकृति-प्रत्यय परिचय दीजिए:

Write the root and suffix of any *five* of the following words:

पाठ्य, हेयम्, हसितवान्, सेवितुम्, गन्तव्यम्, लेखनीयम्, कृत्वा, वर्तमानः। 5×1=5

7. निम्नलिखित में से प्रकृति-प्रत्यय को मिलाकर किन्हीं **पाँच** पदों का निर्माण कीजिए:

Join the root and suffix of any *five* of the following words:

ह+ण्यत्, पा+यत्, चल्+तुमुन्, जि+क्त्वा, पच्+अनीयर्, दा+तव्यत्, गम्+शतृ, भी+ल्युट्। 5×2=10

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिये:

Translate any *five* of the following sentences into Sanskrit:

(i) मोहन विद्यालय जाता है।

(ii) रमेश गेंद से खेलता है।

(iii) तुम दोनों पढ़ते हो।

(iii) मैं पढ़ता हूँ।

(iv) राधा गाना गाती है।

(vi) तुम सब लेख लिखते हो।

(vii) रामू दौड़ता है।

(viii) तुम जाते हो। 5×1=5

8. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए:

Write an essay in Sanskrit on any *one* of the following:

(i) सत्संगतिः

(ii) मम महाविद्यालयः

(ii) मम प्रिय कविः

(iii) परोपकारः 10

This question paper contains 4 printed pages.

Your Roll No. .....

Sl. No. of Ques. Paper: **4901A** **HC**

Unique Paper Code : **62131215**

Name of Paper : **Sanskrit Literature**

Name of Course : **B.A. (Prog.) Sanskrit : MIL – A**

Semester : **II**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

NOTE:— *Unless otherwise required in a question, answers should be written in* ***Sanskrit*** *or in* ***Hindi*** *or in* ***English****, but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर* ***संस्कृत*** *या* ***हिन्दी*** *या* ***अंग्रेजी*** *किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिये।*

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

All questions are compulsory.

भाग क (PART A)

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए:

Translate the following: 4+4=8

(क) यौवनं धनसंपत्तिः प्रभुत्वमविवेकिता।
एकैकमप्यनर्थाय, किमु यत्र चतुष्टयम्।।

अथवा (*Or*)

अर्थागमो नित्यमरोगिता च प्रिया च भार्या प्रियवादिनी च।
वश्यश्च पुत्रोऽर्थकरी च विद्या षड्जीवलोकस्य सुखानि राजन्॥

(ख) अहमेकदा दक्षिणारण्ये चरन्नपश्यम्। एको वृद्धव्याघ्रः स्नातः कुशहस्तः सरस्तीरे ब्रूते— भो भोः पान्थाः! इदं सुवर्णकंकणं गृह्यताम्। ततो लोभाकृष्टेन केनचित्पान्थेनालोचितम्— भाग्येनैतत्संभवति। किं त्वस्मिन्नात्म संदेहे प्रवृत्ति विधेया।

अथवा (*Or*)

असाधना वित्तहीना बुद्धिमन्तः सुहृत्तमाः।
साधयन्त्याशु कार्याणि काककूर्ममृगाखुवत्।।

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए:

Explain the following: 6+6=12

(क) स जातो येन जातेन याति वंशः समुन्नतिम्।
परिवर्तिनि संसारे मृतः को वा न जायते।।

अथवा (*Or*)

आयुः कर्म व वित्तं च विद्या निधनमेव च।
पञ्चैतान्यपि सृज्यन्ते गर्भस्थस्यैव देहिनः।

(ख) मातृपितृकृताभ्यासो गुणितामेति बालकः।
न गर्भच्युतिमात्रेण पुत्रो भवति पण्डितः।।

अथवा (*Or*)

मरुस्थल्यां यथा वृष्टिः क्षुधार्ते भोजनं तथा।
दरिद्रे दीयते दानं सफलं पाण्डुनन्दन।।

3. प्रश्न संख्या 1 और 2 के रेखांकित किन्हीं 5 क्रियापदों का परिचय दीजिए।

Introduce any *five* underlined words in Question Nos. 1 and 2 by their verbal declensions. 10

भाग ख (PART B)

4. (क) निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए:

Translate the following: 5

आपदर्थे धनं रक्षेद् दारान् रक्षेद् धनैरपि।
आत्मानं सततं रक्षेद् दारैरपि धनैरपि।।

अथवा (*Or*)

परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम्।
वर्जयेत् तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम्।।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए:

Explain any *two* of the following: 6+6=12

(i) आतुरे व्यसने प्राप्ते दुर्भिक्षे शत्रुसंकटे।
राजद्वारे श्मशाने च यस्तिष्ठति स बान्धवः।।

(ii) उद्योगे नास्ति दारिद्र्यं जपतो नास्ति पातकम्।
मौने च कलहो नास्ति नास्ति जागरिते भयम्।।

(iii) दुराचारी दुरादृष्टिर्दुराऽऽवासी च दुर्जनः।
यन्मैत्री क्रियते पुम्भिर्नरः शीघ्रं विनश्यति।।

(iv) दुर्जनस्य च सर्पस्य वरं सर्पो न दुर्जनः ।
सर्पो दशति कालेन दुर्जनस्तु पदे पदे ।।

5. प्रश्न संख्या 4 के रेखांकित किन्हीं **चार** पदों का विभक्ति निर्देश कीजिए ।

Introduce any *four* underlined words of Question No. 4 by their case-endings.

भाग ग (PART C)

6. गद्यकाव्य के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए ।

Throw light on the origin and development of Gadyakavya.

अथवा (*Or*)

नीतिकाव्य के उद्भव एवं विकास पर निबन्ध लिखिए ।

Throw light on the origin and development of Nitikavya.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर निबन्ध लिखिए:

Write critical comments on *two* of the following: 5+5=10

(क) बाणभट्ट

(ख) अम्बिकादत्त व्यास

(ग) पञ्चतन्त्र

(घ) कथासरित्सागर ।

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **4902-A** **HC**

Unique Paper Code : 62131216

Name of the Course : **B.A.(Programme)**

Name of the Paper : Sanskrit B : Upanisad and Gita

Semester : II

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

Instructions for Candidates :

छात्रों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र के उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा

P.T.O.

में दीजिए, परंतु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

(c) Answer **all** questions.
सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

PART – A

भाग – क

1. What is Isavara ? Describe according to the Iśāvāsyopaniṣad. 10
ईशावास्योपनिषद् के अनुसार 'ईश्वर' क्या है ? विवेचना कीजिए।

OR

अथवा

Write the summary of Iśāvāsyopaniṣad in your own words.
ईशावास्योपनिषद् के सार को अपने शब्दों में लिखिए।

2. Explain any **two** of the following : 7.5×7.5=15
निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए :

(क) कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छंत समाः ।
एवं त्वयि नान्यथेतोस्ति न कर्म लिप्यते नरे।।

(ख) तदेजति तन्नैजति तद् दूरे तद्वन्तिके।
तदन्तरसय सर्वस्य तदु सर्वस्यास्य बाह्यतः ।।

(ग) अन्यदेवाहुर्विद्ययान्यदाहुरविद्यया।
इति शुश्रुम धीराणां ये नस्तद्विचचक्षिरे ।।
(घ) हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम् ।
तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।

PART – B
भाग – ख

3. What is the significance of the second chapter of Gītā ? 10
गीता के द्वितीय अध्याय का क्या महत्व है ?

OR

अथवा

Explain the concept of Equanimity on the basis of the second chapter of Gītā.
गीता के द्वितीय अध्याय के आधार पर समत्व बुद्धि के सिद्धान्त को समझाइए।

4. Explain any **two** of the following : 8+8=16
निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए :

(क) क्लैव्यं मा स्म गमः पार्थ नैतत्वय्युपद्यते।
क्षुद्रं हृदयदौर्बल्यं त्यक्त्वोत्तिष्ठ परंतप ।।
(ख) देहिनोऽस्मिन् यथ देहे कौमारं यौवनं जरा।
तथा देहान्तरप्राप्तिर्धीरस्तत्र न मुह्यति ।।

(ग) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि ।।

(घ) या निशा सर्वभूतानां तस्यां जागर्ति संयमी ।
यस्यां जाग्रति भूतानि सा निशा पश्यतो मुनेः ।।

5. Write short notes on any **two** of the following: 6+6=12

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

मन, योग, जितेन्द्रिय, निष्काम कर्म

PART – C

भाग – ग

6. Write short notes on any **two** of the following: 6+6=12

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

विद्या, कर्म, ब्रह्म, सृष्टि

[This question paper contains 7 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **4903-A** **HC**

Unique Paper Code : 62131217

Name of the Course : **B.A.(Programme) Sanskrit CBCS**

Name of the Paper : Sanskrit C : Niti Literature, Core MIL

Semester : II

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

Instructions for Candidates :

छात्रों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Unless otherwise required in a question, answer should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र के संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भा दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही चाहिए।

(c) **All** questions are compulsory.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

PART – A

भाग - अ

1. Translate the following : 6+6

निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

(क) अथ प्रातः प्रबुद्धः सन् स्वप्नं चिन्ताचक्रमारूढस्तिष्ठति- "अहो, सत्योऽयं स्वप्न या असत्यो भविष्यति, न ज्ञायते। अथवा नूनं मिथ्या भाव्यम्। यतोऽहमहर्निशं केवलं वित्तमेव चिन्त रः आह --- "भोः श्रावकः! धर्मज्ञोऽपि वदसि, किन्त्वयं ब्राह्मणसमानाः यत आमन्त्रणं वयं सदैव तत्कालपरिचर्यया भ्रमन्तो भक्ति श्रावकमवलोक्य तस्य गृहं गच्छामः।

OR

अथवा

Discuss the moral teaching as revealed in गङ्गादत्तमण्डूककथा.

गङ्गादत्तमण्डूककथा में प्रतिपादित नैतिक शिक्षा की विवेचना कीजिए।

PART - B

भाग - ब

4. Translate the following :

निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

बोद्धारो मत्सरग्रस्ताः प्रभवः स्मयदूषिताः।
अबोधोपहताश्चान्ये जीर्णमङ्गे सुभाषितम् ।।

OR

अथवा

येषां न विद्या न तपो न दानं, ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।
ते मर्त्यलोके भुवि भारभूताः, मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति ।।

5. Explain any **two** of the following. 7+7=

निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए :

भुजङ्गमपि कोपितं शिरसि पुष्पवद् धारयेत्,
न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत् ॥

OR

अथवा

माधुर्यं मधुबिन्दुना रचयितुं क्षाराम्बुधरीहते,
नेतुं वाञ्छति यः खलान् पथि सतां सूक्तैः सुधास्यन्दिभि

6. Describe the view concerning the fools on basis as Nitishatakam.

नीति शतक के आधार पर मूर्ख सम्बन्धी विचारों का कीजिए।

OR

अथवा

Write the characteristics of wise according to Bhartrihari.

भर्तृहरि के अनुसार विद्वानों की विशेषताओं को लिखि

PART – C

भाग – स

7. Write notes on any **three** of the following : 5+5+5=15

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए :

कालिदास, बाणभट्ट, स्वप्नवासवदत्तम्, उत्तररामचरितम्, दशकुमारचरितम्

OR

अथवा

गङ्गादत्त आह – "भोः! समागच्छ त्वम्। अह
तत्र तव प्रवेशं कारयिष्यामि। तथा तस्य मध्
रम्यतरं कोटरमस्ति, तत्र स्थितस्त्वं लीलय
व्यापादयिष्यसि।" तच्छ्रुत्वा सर्पो व्यचिन्तयत्
तावत् परिणतवयाः कदाचित् कथञ्चित् मूषकमे
तत् सुखावहो जीवनोपायोऽयमनेन कुलाङ्गारेण
तद् गत्वा तान् मण्डूकान् भक्षयामि" इति।

2. Explain the following :

निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

जीर्यन्ते जीर्यतः केशाः दन्ताः जीर्यन्ति जीर्यतः।
चक्षुः श्रोत्रे च जीर्येते तृष्णैका तरुणायते ।।

OR

अथवा

अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।
उदारचरितानान्तु वसुधैव कुटुम्बकम् ।।

3. Write a summary of सिंहकारकमूर्खब्राह्मणकथ

सिंहकारकमूर्खब्राह्मणकथा का सार लिखिए।

OR

अथवा

स आह– " धिङ् मूर्ख! नाहं विद्याया विफलतां करोमि।" ततस्तेनाऽभिहितम् – "तर्हि प्रतीक्षस्व क्षणं, यावदहं वृक्षमारोहामि।" तथाऽनुष्ठिते, यावत् सजीवः कृतस्तावत्ते त्रयोऽपि सिंहेनोत्थाय व्यापादिताः। स च पुनर्वृक्षादवतीर्य, गृहं गतः।" "अतोऽहं ब्रवीमि वरं बुद्धिर्न सा विद्या"

(ख) स आह–"भद्रे ममास्ति परमसुहृद्रक्तमुखो नाम वानरः, स प्रीतिपूर्वनिमानि फलानि प्रयच्छति।

अथ तयाभिहितं--- "यः सदैवामृतप्रायाणीदृशानि फलानि भक्षयति, तस्य हृदयममृतमयं भविष्यति।

तद्यदि मया भार्यया ते प्रयोजनं, ततस्तस्य हृदयं मह्यं प्रयच्छ, येन तद् भक्षयित्वा जरामरणरहिता त्वया सह भोगान्भुनज्मि। स आह – "भद्रे! मा मैवं वद। यतः स प्रतिपन्नोऽस्माकं भ्राता। अपरं फलदाता। ततो व्यापादयितुं न शक्यते। तत् त्यजैनं मिथ्याग्रहम् ।

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **4946-A HC**

Unique Paper Code : 62134402

Name of the Course : **B.A.(Programme) Sanskrit-CBCS**

Name of the Paper : Sanskrit Grammar

Semester : IV

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

Instructions for Candidates :

छात्रों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Unless otherwise required in a question, answer should be written either in **Sanskrit** or in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र क
संस्कृत या **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भ
दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ह
चाहिए।

(c) Attempt **all** questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. Explain with examples any **two** sutras from section :

निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड से **दो-दो** सू
सोदाहरण व्याख्या कीजिए :

Section- A

खण्ड-अ

मुखनासिकावचनो ऽनुनासिकः।

समाहारः स्वरितः।

परः सन्निकर्षः संहिता।

हलो ऽनन्तरा संयोगः।

Section- B

खण्ड -ब

एङः पदान्तादति।

इन्द्रे च।

अचो रहाभ्यां द्वे।

इको यणचि।

Section- C

खण्ड–स

10

कर्तुरीप्सिततमं कर्म।

कर्तृकरणयोस्तृतीया।

सम्बोधने च।

नमस्स्वस्तिस्वाहास्वधालंवषट्योगाच्च।

2. Write the varnas of any **five** pratyaharas of the following : 5

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए :

झश्, यण्, अल्, ऐच्, अण्, शल्, इक् ।

3. Write the place of pronunciation of any **three** of the following : 3

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** के उच्चारण स्थान लिखिए :

ई, ऐ, ज्, न्, म्, ख्, ध्, ष्।

4. Define with example any **four** of the following : 12

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** की परिभाषा सोदाहरण दीजिए :

अनुनासिक, उपसर्ग, कर्ता, करण, निपात, सवर्ण।

5. Vigraha any **five** padas from the following w citing relevant sutras :

निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **पाँच** पदों का सूत्रोल्लेख विग्रह कीजिए :

रामश्शेते, मद्ध्वरिः, पावकः, दैत्यारिः, वाग्घरिः, कृष्णौत्कण्ठ्यम्, गवाग्रम्, हरीरम्यः

6. Choosing any **five** sentences, explain the re of the application of the case ending in underlined words :

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पदों में सूत्रोल्लेख प्रयुक्त विभक्ति का कारण बताइए :

(a) छात्रः <u>विद्यालयात्</u> गृहम् आगच्छति।

(b) <u>वृक्षम्</u> अवचिनोति फलानि।

(c) <u>जनकः</u> पुत्राय फलानि यच्छति।

(d) <u>रामेण</u> बाणेन हतो वाली।

(e) <u>स्थाल्यां</u> पचति।

(f) <u>मातुः</u> स्मरति।

(g) <u>पितृभ्यः</u> स्वधा।

(h) त्वं <u>पाठं</u> पठसि।

ıis question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

No. of Question Paper : 4979 HC

ıique Paper Code : 62137903

ıme of the Paper : Literary Criticism

ame of the Course : **B.A. (Programe) Sanskrit – CBCS (DSE-3)**

emester : VI

uration : 3 Hours Maximum Marks : 75

ıstructions for Candidates

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

Attempt any **five** answers of the questions. **All** question are equal marks. (15×3=75)

ात्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. काव्यप्रकाशकार के अनुसार काव्य की विशेषताओं पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए "अनन्यपरतन्त्राम्" को स्पष्ट कीजिए।

Throw some light on Specific feature of the Poetry according to K1vyapr1ka7a and clarify to "Ananyaparatantr1ma."

2. "व्यवहारविदे" तथा "यशसे" इन दोनों काव्यप्रयोजनों को मम्मट के अनुसार वर्णित कीजिए।

Explain the two of objectives of poetry namely "व्यवहारविदे" and "यशसे" according to Mammat.

3. काव्यप्रकाश के अनुसार किन्हीं **दो** काव्य हेतुओं की विवेचना कीजिए।

Explain any **two** causes of poetry according to K1vyapr1ka7a.

"तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलङ्कृती पुनः क्वापि" इस काव्यलक्षण में 'सगुणौ' को मम्मट के अनुसार स्पष्ट कीजिए।

Elucidate the term 'सगुणौ' in Mammat's definition of poetry "तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलङ्कृती पुनः क्वापि".

इदमुत्तममतिशयिनि ..... इसको स्पष्ट करते हुए अधम काव्य पर भी प्रकाश डालिए।

Elucidate the sentence 'Edamuttamamatisayini.....' and also throw light on lower form of poetry.

मम्मट के अनुसार "कान्तासम्मिततयोपदेशयुजे" की विवेचना कीजिए।

Explain the term "Kantasammitatayopadesayuje" according to Mammat.

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the following :

(क) काव्यज्ञशिक्षयाभ्यासः

Kavyajnyashikshayabhayash

(ख) अनलङ्कृती पुनः क्वापि

Analankrti punahkvapi

(ग) मध्यमकाव्य

Madhyamkavya

(घ) इतिहेतुस्तदुद्भवे

Eti hetustadudbhvave

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **4992A** **HC**

Unique Paper Code : 62131201

Name of the Course : **B.A.(Programme) Sanskrit Discipline CBCS**

Name of the Paper : Sanskrit Prose

Semester : II

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

Instructions for Candidates :

छात्रों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Unless otherwise required in a question answer should be written *either* in **Sanskrit** *or* in **English** *or* in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

(c) Answer **all** questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

1. Explain any **two** of the following with reference to the context : 2×8=16

निम्न में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(a) हरति च सकलमतिमलिनमप्यन्धकारमिव दोषजातं प्रदोषसमयनिशाकर इव गुरुपदेशः। प्रशमहेतुर्वयःपरिणाम इव पलितरूपेण शिरसिजजालममलीकुर्वन् गुणरूपेण तदेवपरिणमयति।

(b) अद्याप्यारूढमन्दरपरिवर्तावर्तभ्रान्तिजनितसंस्कारेव परिभ्रमति। कमलिनीसञ्चरणव्यतिकरलग्ननलिननालकण्टकक्षतेव न क्वचिदपि निर्भरमाबध्नाति पदम्।

(c) तथाहि-सततम् ऊष्माणम् आरोपयन्त्यपि जाड्यमुपजनयति। उन्नतिमादधानापि नीचस्वभावतामाविष्करोति। तोयराशिसम्भवापि तृष्णां संवर्द्धयति। ईश्वरतां दधायानाप्यशिवप्रकृतित्वमातनोति।

2. Write the poetic style of Banabhatta according to "शुकनासोपदेश"- 12

बाणभट्ट की गद्यशैली को शुकनासोपदेश के माध्यम से स्पष्ट करें।

OR/अथवा

Discuss the importance of ''गुरु-उपदेश'' according to"शुकनासोपदेश".

शुकनासोपदेश में वर्णित गुरु-उपदेश का महत्त्व बताइए।

Translate any **one** of the following : 6

निम्नलिखित में से किसी **एक** का अनुवाद कीजिए :

(a) अथ समापित-सन्ध्यावन्दनादिक्रिये समायाते गुरौ, तदाज्ञया नित्यनियम-सम्पादनाय प्रयाते गौरबटौ, छात्रगणसहकारेण प्रस्तुतासु च स्वागत-सामग्रीषु, "इत आगम्यतां सनाथ्यतामेष आश्रमः" इति सप्रणाममभिगम्य वदत्सु निखिलेष, योगिराज आगत्य तन्निर्दिष्ट-काण्ठ-पीठं भास्वानिवोदयगिरिमारुरोह, उपाविशच्च।

(b) "अरुण एष प्रकाशः पूर्वस्यां भगवतो मरीचिमालिनः। एष भगवान् मणिराकाशमण्डलस्य, चक्रवर्ती खेचर-चक्रस्य, कुण्डलमाखण्डलदिशः, दीपको ब्रह्माण्डभाण्डस्य, प्रेयान् पुण्डरीक-पटलस्य, षोक-विमोकः कोकलोकस्य, अवलम्बो रोलम्बकदम्बस्य, सूत्रधारः सर्वव्यवहारस्य, इनश्च दिनस्य।

4. Discuss the prose style of अम्बिकादत्तव्यास according to Shivrajvijaya of first Nisvasa. 12

'शिवराजविजय के प्रथम निश्वास के आधार पर अम्बिकादत्तव्यास की गद्यशैली को स्पष्ट करें।

OR/अथवा

Write the summary of first Niśvâsa of Shivrajvijaya in your own words.

शिवराजविजय के प्रथम निश्वास का सार अपने शब्दों में लिखें।

5. Write short notes on any **six** by selecting **three** from each part : 6×2=12

प्रत्येक खण्ड में से किन्हीं **तीन** का चयन करते हुए कुल छः पर लघु टिप्पणियाँ लिखिए :

(a) गन्धर्वनगरलेखा, तिमिररोग, गन्धगजः, क्षीरसागरः, कौस्तुभमणि।

(b) मरीचिमालिनः, षण्णामृतूनाम्, पुष्पावचयं, कम्बुकण्ठः, समानवयः।

6. Write grammatical note on any **five** of the underlined words in question **1** and **3**. 5

प्रश्न संख्या **1** तथा **3** के किन्हीं **पाँच** रेखाङ्कित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए।

7. Discuss the origin and development of Prose-Poetry explain in detail any **three** Prose - Poetry. 12

गद्यकाव्य परम्परा का उद्भव व विकास स्पष्ट करते हुए किन्हीं **तीन** गद्यकाव्यों का विस्तृत विवेचन करें।

OR/अथवा

Write notes on any **two** of the following :

निम्नलिखित में किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

बाणभट्ट, सुबन्धु, वेतालपंचविंशति, पुरुषपरीक्षा, पञ्चतन्त्र।

 900

KALINDI COLLEGE LIBRARY East Patel Nagar Delhi-08